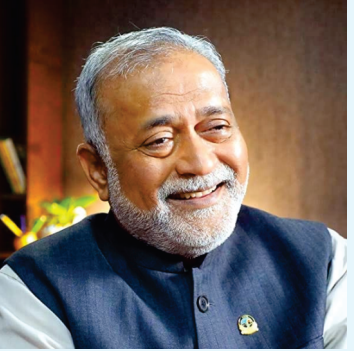


संक्षेप

रामचंद्र मिशन के अध्यक्ष कमलेश डी पटेल 'दाजी' को 'पद्म भूषण' अवार्ड



शाहजहाँपुर। श्री रामचंद्र मिशन के अध्यक्ष और 'हार्टफुलनेस' मेडीटेशन के ग्लोबल गाइड श्री कमलेश डी पटेल को भारत सरकार की ओर से 'पद्म भूषण' पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उन्हें यह पुरस्कार अध्यात्म के माध्यम से मानवता के उत्थान की दिशा में किए गए प्रयासों को मान्यता देते हुए दिया गया है, दाजी हार्टफुलनेस के मार्गदर्शक हैं। वे एक प्रवर्तक एवं शोधकर्ता हैं जो अध्यात्म, विज्ञान एवं चेतना के विकास के क्षेत्रों में सामान रूप से सिद्ध हैं। वे मानवीय क्षमता की हमारी समझ को एक नए स्तर पर ले गए हैं। उन्हें यह पुरस्कार राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाएगा।

अब योगी की पुलिस तलाशोगी कैसे



शाहजहाँपुर। उत्तर प्रदेश की पुलिस अपने कारनामों की वजह से अक्सर सुर्खियों में रहती है। अब शाहजहाँपुर जिला पंचायत अध्यक्ष की दो भैंसों की तलाश में दो थानों की पुलिस जुट गई है। शाहजहाँपुर जिले की जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव के आवास से दो भैंसें चोरी हो गईं। भैंसों को तलाश करने के लिए दो थानों की पुलिस को लगाया गया है। थाना सिंधौली और सदर पुलिस ने घटना के बाद मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज भी चेक किए थे, सिंधौली थाना क्षेत्र के नियामतपुर गांव में जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव का आवास है। 25 जनवरी की रात वह शादी समारोह में गई थीं। रात में तमंचा लेकर आए चोरों ने खुद को पुलिस बताकर उनके नौकर को बंधक बना लिया। साथ ही डेयरी के अंदर बंधी दो भैंसों को पिकअप से ले गए। सूचना आने के बाद रात में जिला पंचायत अध्यक्ष के पति पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अजय यादव ने एसपी एस. आनंद को खबर दी। सिंधौली और सदर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। दोनों थानों की पुलिस भैंस चोरी करने वाले चोरों की तलाश करने में जुटी है।

नए उत्तर प्रदेश की स्थापना में अपनी भूमिका निभाएं प्रदेश के लोग : योगी आदित्यनाथ



लोक पहल

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर अपने सरकारी आवास पर ध्वजारोहण किया। उन्होंने इस अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत ने 75 वर्ष में बहुत लंबी दूरी तय की है। यह पर्व और त्योहार हमको चिंतन और मनन करने का अवसर प्रदान करता है। पूरे प्रदेशवासियों से अपील है कि वो अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारीपूर्वक करें। शासन की योजनाओं को प्रदेशवासियों तक पहुंचाने में मदद करें। एक नए यूपी को देश और दुनिया के सामने स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण अभियान को आगे बढ़ाएं। देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती जातिवाद, भाषावाद, क्षेत्रवाद और किसी भी प्रकार की मत व मजहब विभाजन जैसी विकृति मानसिकता को दूर करना है। विगत वर्षों में इसमें काफी हद तक सफलता प्राप्त हुई है। आज उत्तर प्रदेश बेहतरीन कानून व्यवस्था, दंगा मुक्त प्रदेश के रूप में अपने आपको स्थापित करने में सफल हुआ है। इसका परिणाम उत्तर प्रदेश को निवेश के बेहतरीन गंतव्य के रूप में मिली पहचान है। आज पूरी दुनिया प्रदेश की तरफ आशावादी निगाहों से देख रही है। अब हमें भ्रष्टाचार के खिलाफ भी उसी तर्ज पर काम करना है, जैसे कानून व्यवस्था को स्थापित किया गया है।

74वें गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर दिखी नए भारत की झांकी



नई दिल्ली एजेंसी। पूरे भारत में गणतंत्र दिवस की धूम रही। देश में 74वें गणतंत्र दिवस समारोह देश के विभिन्न भागों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गणतंत्र दिवस समारोह में राजधानी नई दिल्ली स्थित कर्तव्य पथ पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारत की सेना के अलावा मिस्त्र की सेना के दस्ते ने भी हिस्सा लिया। गणतंत्र दिवस के मौके पर 'कर्तव्य पथ' देश के सैन्य कौशल, सांस्कृतिक विविधता और कई अन्य अनूठी पहलों का गवाह बना। इस बार गणतंत्र दिवस के मौके पर मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सिसी परेड में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए हैं। ऐसा पहली बार है कि मिस्त्र के किसी नेता को भारत के गणतंत्र दिवस पर आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि इस बार का यह अवसर इसलिए भी विशेष है, क्योंकि इसे हम आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान मना रहे हैं। देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को साकार करने के लिए हम एकजुट होकर आगे बढ़ें, यही कामना है।

शाहजहाँपुर में रामचंद्र जी महाराज की प्रतिमा का अनावरण

श्री रामचंद्र मिशन के अध्यक्ष कमलेश डी पटेल ने वर्चुअली किया सहज मार्ग जंक्शन का लोकार्पण

लोक पहल



शाहजहाँपुर। बसंत पंचमी के पावन पर्व पर आज का दिन उस समय श्री रामचंद्र मिशन के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया जब पूरे विश्व में आध्यात्मिकता की अलख जगाकर मानव कल्याण में अपना जीवन समर्पित करने वाले महात्मा रामचंद्र जी महाराज (बाबूजी) की प्रतिमा का अनावरण श्री रामचंद्र मिशन के अध्यक्ष और हार्टफुलनेस के ग्लोबल गाइड कमलेश डी पटेल 'दाजी' ने कांन्हा शांतिवनम हैदराबाद से वर्चुअली बटन दबाकर किया। अजीज गंज स्थित रथत 'सहज मार्ग जंक्शन' का माहौल श्रद्धा एवं भक्ति पूर्ण था और आध्यात्मिक चेतना का केन्द्र बन गया। सुबह करीब 9:45 बजे जैसे ही 'दाजी' ने बटन दबाकर मूर्ति का अनावरण और 'सहज मार्ग जंक्शन' का लोकार्पण किया चारों ओर तालियों की गड़गड़ाहट का शोर गुंज उठा, शाहजहाँपुर केंद्र के प्रभारी और बाबूजी महाराज के सुपुत्र सर्वेश चंद्रा और प्रशिक्षक माधोगोपाल अग्रवाल ने प्रतिमा का माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर उपस्थित प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि पूरे विश्व में सहज मार्ग साधना पद्धति के माध्यम से एक आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता और आध्यात्मिक चेतना के प्रतीक महात्मा रामचंद्र जी महाराज की प्रतिमा की स्थापना समस्त जनपदवासियों के लिए एक गौरव की बात है, पूर्व आईएसएस अधिकारी हार्टफुलनेस प्रशिक्षक पंकज सिन्हा ने मिशन के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि 1945 में शाहजहाँपुर में बाबूजी ने अपने गुरु के सम्मान में श्री राम चन्द्र मिशन की स्थापना की थी। बाबूजी ने अपने जीवन को मानवता के आध्यात्मिक उत्थान के लिए समर्पित किया। आज 'सहज मार्ग' साधना पद्धति विश्व में एक आध्यात्मिक आंदोलन बन चुका है, वर्तमान में श्री राम चन्द्र मिशन के अध्यक्ष पूज्य श्री कमलेश डी पटेल (दाजी) 'हार्टफुलनेस मेडीटेशन' के माध्यम से सम्पूर्ण विश्व के प्रत्येक व्यक्ति के दिल तक सहज मार्ग साधना पद्धति को पहुंचाने का काम कर रहे हैं प्रतिमा की स्थापना में प्रमुख भूमिका निभाने वाले प्रशिक्षक माधोगोपाल अग्रवाल ने कहा कि आने वाली पीढ़ी बाबूजी महाराज के बारे जान सके इसलिए ही 'सहज मार्ग जंक्शन' में बाबू जी महाराज की प्रतिमा लगाई गई है, उन्होंने बताया कि 'सहजमार्ग' जंक्शन में श्रीराम चन्द्र मिशन और हार्टफुलनेस से जुड़ी सभी जानकारीयों भी उपलब्ध कराने के लिए दो बार कोड भी लगाये गये हैं जिनके माध्यम से हार्टफुलनेस मेडीटेशन और मिशन की जानकारी हासिल की सकती है कार्यक्रम का संचालन हर्ष अग्रवाल ने किया और अंत में सभी का आभार मिशन के जोन प्रभारी दीपक त्यागी ने व्यक्त किया। इस मौके पर सांसद अरुण सागर, राज्यसभा सांसद मिथलेश कुमार, एमएलसी सुधीर गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष केंसी मिश्रा, महानगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता, कमलेश खन्ना, पूर्व मंत्री अवधेश वर्मा, विनोद अग्रवाल, डा. परविंदर सिंह, विजय कुमरा, रामचंद्र सिंघल, डा. रवि मोहन, सुरेश सिंघल, राज गोपाल अग्रवाल, श्री गोपाल अग्रवाल, हरगोविंद मोदी, हितेश अग्रवाल, सुयश सिन्हा, अर्जुन अग्रवाल, दिव्य अग्रवाल, ओंकार मनीषी, संजीव



अग्रवाल, शिल्पी गुप्ता, अमित अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, सहित सैकड़ों की संख्या में गणमान्य लोग और मिशन के अनुयायी मौजूद रहे।

विशाल व्यक्तित्व एवं महानायक...रज्जू भैया



डा. आलोक कुमार सिंह

शाहजहांपुर। प्रयाग विश्व विद्यालय में पढ़ाते हुए भी रज्जू भैया संघ-कार्य में प्रचारकवत जुटे रहे। औपचारिक तौर पर उन्हें प्रचारक 1958 में घोषित किया गया पर सचाई यह है कि उन्होंने कार्यवाह पद को प्रचारक की भूमिका स्वयं प्रदान कर दी। भौतिक शास्त्र जैसे गूढ़ विषय पर असामान्य अधिकार रखने के साथ-साथ अत्यन्त सरल व रोचक अध्यापन शैली और अपने शिष्यों के प्रति स्नेह भावना के कारण रज्जू भैया प्रयाग विश्वविद्यालय के सर्वाधिक लोकप्रिय और सफल प्राध्यापक थे। वरिष्ठता और योग्यता के कारण उन्हें कई वर्षों तक विभाग के अध्यक्ष-पद का दायित्व भी प्रोफेसर के साथ-साथ सँभालना पड़ा। किन्तु यह सब करते हुए भी वे संघ-कार्य में अपने दायित्वों का निर्वाह पूरी तरह करते रहे। रीडर या प्रोफेसर बनने की कोई कामना उनके मन में कभी नहीं जगी। जिन दिनों प्रयाग विश्वविद्यालय में भौतिकी विभाग के रीडर पद के लिये आवेदन माँगे गये उन्होंने आवेदन पत्र ही नहीं दिया। सहयोगियों ने पूछा कि रज्जू भैया! आपने ऐसा क्यों किया? तो उन्होंने बड़े सहज ढँग से उत्तर दिया- 'अरे मेरा जीवन-कार्य तो संघ-कार्य है, विश्वविद्यालय की प्रोफेसरी नहीं। अभी मैं सप्ताह में चार दिन कक्षायें लेता हूँ, तीन दिन संघ-कार्य के लिए दौरा करता हूँ। कभी-कभी बहुत कोशिश करने पर भी विश्वविद्यालय समय पर नहीं पहुँच पाता। अभी तो विभाग के सब अध्यापक मेरा सहयोग करते हैं किन्तु यदि मैं रीडर पद पर अभ्यर्थी बना तो वे मुझे अपना प्रतिस्पर्धी समझने लगेंगे। इसलिए क्यों इस पचड़े में फँसना।' रज्जू भैया का सम्पूर्ण जीवन इस बात का साक्षी है कि उन्हें पद की आकांक्षा अथवा उसका मोह कभी रहा ही नहीं। विश्वविद्यालय में अध्यापक रह कर भी उन्होंने अपने लिये धनार्जन नहीं किया। वे अपने वेतन की एक-एक पाई को

संघ-कार्य पर व्यय कर देते थे। सम्पन्न परिवार में जन्म लेने, पब्लिक स्कूलों में शिक्षा पाने, संगीत और क्रिकेट जैसे खेलों में रुचि होने के बाद भी वे अपने ऊपर कम से कम खर्च करते थे। मितव्ययता का वे अपूर्व उदाहरण थे। वर्ष के अन्त में अपने वेतन में से जो कुछ बचता उसे गुरु-दक्षिणा के रूप में समाज को अर्पित कर देते थे। एक बार राष्ट्रधर्म प्रकाशन आर्थिक संकट में फँस गया तो उन्होंने अपने पिताजी से आग्रह करके अपने हिस्से की धनराशि देकर राष्ट्रधर्म प्रकाशन को संकट से उबारा। यह थी उनकी सर्वत्यागी संन्यस्त वृत्ति की अभिव्यक्ति! प्रोफेसर राजेन्द्र सिंह का जन्म 29 जनवरी 1922 को ज्वालादेवी एवं श्री कुंवर बलवीर सिंह जी के यहाँ उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में सिंचाई विभाग के डाक बंगले में हुआ था। मूलतः बुलंदशहर जिले के बनैल गाँव के निवासी बलवीर सिंह स्वतंत्र भारत में उत्तरप्रदेश के प्रथम भारतीय मुख्य अभियंता नियुक्त हुए थे और रज्जू भैया के जन्म के समय वे शाहजहांपुर में ही तैनात थे। अत्यंत शालीन, तेजस्वी और ईमानदार अफसर के नाते उनकी ख्याति थी। पिताजी की सादगी, मितव्ययता और जीवन मूल्यों के प्रति सजगता का विशेष प्रभाव राजेन्द्र सिंह पर पड़ा। रज्जू भैया की प्रारंभिक शिक्षा बुलंदशहर, नैनीताल, उन्नाव और दिल्ली में हुई। स्नातक एवं परास्नातक की शिक्षा प्रयाग से उत्तीर्ण की। रज्जू भैया का समाज कार्य के प्रति रुझान प्रारम्भ से ही था। जब वे बी.एस-सी. फाइनल में थे तभी 20 वर्ष की आयु में ही बिना उन्हें बताये उनका विवाह तय कर दिया गया। लड़की के पिता सेना में डॉक्टर थे। उनकी एम. एस-सी. की प्रयोगात्मक परीक्षा लेने नोबेल पुरस्कार विजेता डा. सी.वी.रमन आये थे। वे उनकी प्रतिभा से बहुत प्रभावित हुए तथा उन्हें अपने साथ बंगलौर चलकर शोध करने का आग्रह कियाय पर रज्जू भैया के जीवन का लक्ष्य तो कुछ और ही था। प्रयाग में उनका सम्पर्क संघ से हुआ और वे नियमित शाखा जाने लगे। संघ के तत्कालीन सरसंघचालक श्री गुरुजी से वे बहुत प्रभावित थे। 1943 में रज्जू भैया ने

काशी से प्रथम वर्ष संघ शिक्षा वर्ग का प्रशिक्षण लिया। वहाँ श्री गुरुजी का 'शिवाजी का पत्र, जयसिंह के नाम' विषय पर जो बौद्धिक हुआ, उससे प्रेरित होकर उन्होंने अपना जीवन संघ कार्य हेतु समर्पित कर दिया। अब वे अध्यापन कार्य के अतिरिक्त शेष सारा समय संघ कार्य में लगाने लगे। उन्होंने घर में बता दिया कि वे विवाह के बन्धन में नहीं बंधेंगे। प्राध्यापक रहते हुए रज्जू भैया अब संघ कार्य के लिए पूरे उ.प्र.में प्रवास करने लगे। वे अपनी कक्षाओं का तालमेल ऐसे करते थे, जिससे छात्रों का अहित न हो तथा उन्हें सप्ताह में दो-तीन दिन प्रवास के लिए मिल जायें। पढ़ाने की रोचक शैली के कारण छात्र उनकी कक्षा के लिए उत्सुक रहते थे। रज्जू भैया सादा जीवन उच्च विचार के समर्थक थे। वे सदा तृतीय श्रेणी में ही प्रवास करते थे तथा प्रवास का सारा व्यय अपनी जेब से करते थे। इसके बावजूद जो पैसा बचता था, उसे वे चुपचाप निर्धन छात्रों की फीस तथा पुस्तकों पर व्यय कर देते थे। 1994 में संघ के तीसरे सरसंघचालक बालासाहेब देवरस ने अपने जीवनकाल में ही राजेन्द्र सिंह का सरसंघचालक पद पर अभिषेक कर दिया। यह संघ में पहली घटना थी। उनकी प्रसिद्धि और विनम्र व्यवहार के कारण लोग उन्हें प्यार से रज्जू भैया कहते थे। उनके सम्बन्ध विभिन्न राजनीतिक दलों और विभिन्न विचारधारा के राजनेताओं और लोगों से थे। रज्जू भैया संघ के साथ 60 वर्ष तक जुड़े रहे और विभिन्न प्रकार के दायित्वों का निर्वाह करते रहे। इस तरह 1943 से 1966 तक वे प्रयाग विश्वविद्यालय में अध्यापन कार्य करते हुए भी अपने प्रचारक के दायित्वों का निर्वाह भ्रमण करके करते रहे। प्रथम वर्ष का प्रशिक्षण उन्होंने सन् 1943 में लिया। इस दौरान वे नगर कार्यवाह का दायित्व निभा रहे थे। द्वितीय वर्ष का प्रशिक्षण उन्होंने 1954 में लिया। इस दौरान भाऊराव उन्हें पूरे प्रांत का दायित्व सौंपकर बाहर जाने की तैयारी कर चुके थे। तृतीय वर्ष का प्रशिक्षण उन्होंने 1957 में लिया और उत्तर प्रदेश के दायित्व का निर्वहन करने लगे। रज्जू भैया की संघ यात्रा असामान्य है।



वे युवा अवस्था में सजग व पूर्ण विकसित मेधा शक्ति लेकर प्रयाग आये। सन् १९४२ में एम.एस-सी. प्रथम वर्ष में संघ की ओर आकर्षित हुए और केवल एक-डेढ़ वर्ष के सम्पर्क में एम. एस-सी. पास करते ही वे प्र इस देश में कोई भव्य स्मारक हमारे नेता लोग नहीं बना सके। वे तुर्की के राष्ट्रीय स्मारक जैसा स्मारक भारत की राजधानी दिल्ली में बना हुआ देखना चाहते थे। उन्होंने कहा था: 'लच्छेदार भाषण देकर अपनी छवि को निखारने के लिये तालियाँ बटोर लेना अलग बात है, नेपथ्य में रहकर दूसरों के लिये कुछ करना अलग बात है।' वे चिन्तक थे, मनीषी थे, समाज-सुधारक थे, कुशल संगठक थे और कुल मिलाकर एक बहुत ही सहज और सर्वसुलभ महापुरुष थे। ऐसा व्याग विश्वविद्यालय में व्याख्याता पद पाने के साथ-साथ प्रयाग के नगर कार्यवाह का दायित्व सँभालने की स्थिति में पहुँच गये।

१९४६ में प्रयाग विभाग के कार्यवाह, १९४८ में जेल-यात्रा, १९४९ में दो तीन विभागों को मिलाकर संभाग कार्यवाह, १९५२ में प्रान्त कार्यवाह और १९५४ में भाऊराव देवरस के प्रान्त छोड़ने के बाद उनकी जगह पूरे प्रान्त का दायित्व सँभालने लगे। 1969 में भाऊराव के वापस लौटने पर प्रान्त-प्रचारक का दायित्व उन्हें वापस देकर सह प्रान्त-प्रचारक के रूप में पुनरुत्तरे के सहयोगी बने। रज्जू भैया इस बात से बड़े दुखी थे कि क्रान्तिकारी 'बिस्मिल' के नाम परयक्ति बड़ी दीर्घ अवधि में कोई एकाध ही पैदा होता है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। यहाँ तक की अपने घर को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्यालय बना दिया और वहीं पर सरस्वती विद्या मंदिर ज्वाला देवी के नाम से विद्यालय खोला गया। पूरा देश रज्जू भैया का एवं उनकी सेवाओं का ऋणी है तथा आज उनके बताए रास्ते पर चलने की नितांत आवश्यकता है।

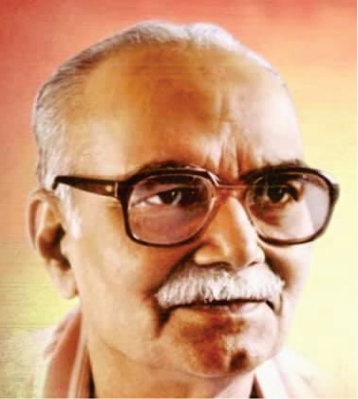
गांधी जी की हत्या और रज्जू भैया की जेल यात्रा



डा. विकास खुराना
इतिहासकार

1946 में मुस्लिम लीग के डायरेक्ट एक्शन डे की घोषणा के बाद ही देश का माहौल बिगड़ने लगा था। विभाजन की त्रासदी के बाद पंजाब से आए परिवारों की दारुण कहानियां सुन सुन कर लोगो का खून खौल रहा था। ऐसे में 1948 की जनवरी को गांधी जी की हत्या हो गई। रज्जू भैया की आत्मकथा 'हमारे रज्जू भैया' में उल्लेखित है कि गांधी जी की हत्या की सूचना से पूरे देश में उदासी छा गई थी,अगले दिन नेहरू का उग्र भाषण हुआ जिसके बाद ही संघ कार्यकर्ता समझ गए थे कि अब कुछ बड़ा होने वाला है। रज्जू भैया को भी जेल जाने का अंदेश था। लिहाजा उन्होंने अपनी मानसिक स्थिति दृढ़ कर ली। चार फरवरी को केंद्र द्वारा संघ पर पूरे देश में प्रतिबंध लगा दिया गया और पांच तारीख को स्थानीय स्टेशन ऑफिसर तथा कोतवाल सवेरे सवेरे पांच बजे ही रज्जू भैया को गिरिफ्तार करने पहुंच गए। रज्जू भैया पहले से ही तैयार बैठे थे, पहले उन्हें स्थानीय हवालात में रखा गया और शाम को कई अन्य स्वयंसेवकों के साथ नैनी जेल ले जाया गया क्योंकि संघ पर

प्रतिबंध लगे अभी चौबीस घंटे ही हुए थे लिहाजा उन्हें अलग से बैरक नहीं मिला। अपनी किताब में रज्जू भैया बताते हैं कि कैदी सुबह से ही पुलिस को जोर जोर से गालियां देने लगते थे,उनके पास एक



संस्मरण

कैदी ने आकर कहा 'बाबू जी, किसी भी चीज की जरूरत हो बता देना, मिल जायेगी बस दाम पच्चीस प्रतिशत ज्यादा देने पड़ेंगे'। रज्जू भैया यह सुन कर चौंक गए कि जेल में यह सब भी होता है। दो तीन दिनों में ही स्वयं सेवकों की संख्या साठ हो गई और उन्हें अलग से बैरक मिल गया। इन कैदी स्वयं सेवकों में अनेक विद्यार्थी और बच्चे शामिल थे। एक संस्मरण में उन्होंने बताया कि जेलर ने जब चौदह साल के एक स्वयं

सेवक से पूछा कि 'इतनी छोटी उम्र में तुम इसमें शामिल हो गए' तो वो तपाक से बोला 'यह बताइए मिर्चा कड़वी होती है या बैंगन'। रज्जू भैया ने जेल में ही विद्यार्थियों को पढ़ाना शुरू कर दिया ताकि उनकी आगामी परीक्षाएं सही से संपन्न हो जाए। शाम को जेल में विभिन्न खेलों का आयोजन किया जाने लगा। जब गर्मी बढ़ी तो स्वयं सेवकों ने अपने लिए जेल की छत पर सोने की इच्छा प्रकट की, जिसपर जेलर ने साफ इंकार कर दिया। उस समय जब जेल में रज्जू भैया की मां उनसे मिलने आई तो उन्होंने कहा 'आप इसके लिए तत्कालीन उत्तर प्रदेश के गृह मंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी से बात करिए'। उनकी मां शास्त्री जी से मिली तो शास्त्री जी ने कहा बेटे से कहिए एक पत्र लिखें। जब पत्र लिखा गया तो स्वयंसेवकों के लिए जेल पर सोने का इंतजाम हो गया। यह पत्र पांचजन्य में प्रमुखता से प्रकाशित भी किया गया। धीरे धीरे स्थितियां सामान्य होने लगी। सरदार पटेल ने भी अपने अनेक भाषणों में संघ को राष्ट्रवादी संस्था कहा, ऐसे में प्रतिबंध कितने दिन टिकता। कुछ ही माह में संघ से प्रतिबंध हटा दिया गया और स्वयंसेवक रिहा होने लगे। यद्यपि नेहरू जी की नाराजगी जारी थी, उन्होंने गुरुजी से मिलने से भी इंकार कर दिया था किंतु इसका कोई फर्क नहीं पड़ा और स्वयं सेवकों ने जेल से छूटने के बाद चाय की दुकानों, पार्कों में सशक्त भारत को बनाने के लिए चर्चा परिचर्चा के दौर शुरू कर दिए।



हमारे समाज पर हुए निरंतर आघातों के बाद भी हम जीवित हैं उसका मूल कारण हमारी समाज रचना ही है, जो आज भी विश्व को शांति का मार्ग बताने में समर्थ है। युद्ध ना हो विश्व में शांति हो सब लोग सुखी हो परस्पर वैमनस्य ना हो यह हमारी संसिति की कल्पना है। 'सर्वे भवंतु सुखिना' हमारे पूर्वजों ने ही कहा और उसे आचरण में भी उतार कर दिखाया। हमारे में अभी भी मनुष्य को विकसित करने का सामर्थ्य है आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक के अंतः करण में इसकी विशिष्टता का साक्षात्कार हो।

राजेन्द्र सिंह 'रज्जू भैया'

अल्पनाओं में भरे गणतंत्र के रंग, दिया शांति, एकता और सद्भाव का संदेश

लोक पहल

शाहजहांपुर। एस0एस0 कॉलेज के शिक्षक शिक्षा विभाग में बी0एड0 प्रशिक्षुओं ने गणतंत्र दिवस का संदेश देती हुई अल्पनाओं की रचना की। अल्पनाओं का अवलोकन करते हुए मुमुक्षु संकुल के अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानन्द सरस्वती ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति वहाँ के युवाओं पर निर्भर है। आज का युवा कल का भविष्य है। उन्होंने प्रशिक्षुओं द्वारा बनायी गयी देशभक्ति विषय पर आधारित अल्पनाओं की सराहना करते हुए कहा कि छात्रों के इन प्रयासों से देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को बल मिलता है।

अल्पना अवलोकन के पश्चात् संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विभाग की संगीत प्राध्यापिका डॉ0 प्रियंका शर्मा के निर्देशन में समन अन्सारी व सुनेहा ने सरस्वती वन्दना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया। डॉ0



प्रभात शुक्ला ने सभी का स्वागत किया। वनस्पति विज्ञान के अध्यक्ष डॉ0 आदर्श पाण्डेय एवं बी0एड0 प्रशिक्षुओं समन अन्सारी, अंजली रस्तोगी, शिवजीत, नितिन प्रसाद गौतम, रिया शुक्ला, सौम्या आदि ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किये। गीत

गायन में नेहा मेहरोत्रा ने प्रथम, समन अन्सारी ने द्वितीय तथा सौम्या व यज्ञवीर ने संयुक्त रूप में तृतीय स्थान प्राप्त किया। अल्पना प्रतियोगिता में बालक वर्ग में नितिन, पारस व संजय द्वारा संयुक्त रूप से बनाई गई अल्पना को प्रथम स्थान, उमंग

की अल्पना को द्वितीय स्थान, सचिन शिवजीत व धीरज द्वारा बनाई गई अल्पना को तृतीय स्थान मिला। बालिका वर्ग में काजल कश्यप, काजल मिश्रा, साक्षी, निरुपमा द्वारा बनाई गई अल्पना को प्रथम स्थान, इला, आकृति, वन्दना, काजल, व समन द्वारा बनाई गई अल्पना को द्वितीय स्थान, नेहा कश्यप, शिल्पी, कीर्ति, रागिनी, प्रीती व अनुराधा द्वारा बनाई गई अल्पना को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। अन्त में विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ0 मीना शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ0 कंके मिश्रा, डॉ0 विनीत श्रीवास्तव, डॉ0 शैलजा मिश्रा, डॉ0 मनोज कुमार मिश्रा, श्री राहुल शुक्ला, सुश्री रेनू बहुखण्डी, प्रिया शर्मा, संजय कुमार, बृज निवास, डॉ0 प्रियंका शर्मा, सौरभ मिश्रा, रोहित सिंह, सुश्री नेहा कुमारी, राजीव यादव, अमित गुप्ता, रामऔतार सिंह एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

जीएफ कालेज में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

प्राचार्य मोहम्मद तारिक ने दिलाई संविधान की शपथ



लोक पहल

शाहजहांपुर। जीएफ कॉलेज, में 74वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मोहम्मद तारिक ने झण्डा फहराकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया और सभी को संविधान की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि इस संविधान को प्राप्त करने के लिए हमारे बुजुर्गों ने बहुत कुर्बानियां दी हैं। यह हमारा दायित्व है कि हम अपने संविधान की गरिमा को बनाये रखें और उसका सम्मान करें। उन्होंने कॉलेज की पूरे साल की उपलब्धियां भी गिनाईं। राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ मोहम्मद तैय्यब ने कहा कि देश के संविधान में जो हमें अधिकार मिले हुए हैं, युवा पीढ़ी को चाहिए कि वह उनको बचा कर रखे। इस मौके पर डॉ मुशरफ

दून इंटरनेशनल स्कूल में परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन



लोक पहल

शाहजहांपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा का यहां दून इंटरनेशनल स्कूल में आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन छात्रों को मोटिवेट करने और उन्हें एग्जाम से जुड़े टिप्स देने के लिए किया गया। जिससे छात्रों के अंदर परीक्षा को लेकर व्याप्त डर को दूर किया जा सके। राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार की अध्यक्षता में दून इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद मिथिलेश कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि परीक्षा एक अवसर और कसौटी है, और परीक्षार्थियों को तनाव ना लेकर इसका लाभ लेना चाहिए। इस

दौरान मंत्री सुरेश कुमार खन्ना वर्चुअल लिंक के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े और उन्होंने भी बच्चों के साथ कार्यक्रम को देखा और अपना आशीर्वाद प्रदान किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष केसी मिश्रा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र पाल सिंह यादव, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, नवनीत पाठक, किशोर गुप्ता, प्रदीप पांडे, रोमी आनंद, डॉ सोमशेखर दीक्षित, डॉ विजय पाठक आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने प्रतिभाग किया। आयोजन में दून स्कूल के डायरेक्टर जसमीत साहनी, प्रधानाचार्य शमा जैदी, खेमकरन, राजू गुप्ता, दीपक आर.एल मौर्य, अंकित वर्मा, कोमल सिक्का, नेहा दीक्षित, सुशांत मिश्रा, संदीप गुप्ता, साक्षी भोला, शोभित कुमार, आमी खान आदि का सहयोग रहा।

10 से 27 फरवरी तक दी जाएगी

फाइलेरिया से बचाव की दवा

डीएम ने दिलाई एमडीए अभियान को सफल बनाने की शपथ

लोक पहल

शाहजहांपुर। जनपद में 10 से 27 फरवरी तक चलने वाले फाइलेरिया एमडीए अभियान के संबंध में नवीन कलेक्ट्रेट सभागार में अन्तर्विभागीय बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अधिकारी ने की। बैठक में अधिकारियों व कर्मचारियों को एमडीए अभियान की सफलता के शपथ दिलाई गई। जिला अधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने उपरोक्त विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि तय तिथि तक सभी

बीमार व्यक्तियों को तथा खाली पेट नहीं खानी है।

डॉ. गंगवार ने बताया कि इस वर्ष एमडीए अभियान में जनपद शाहजहांपुर कि लगभग 34 लाख आबादी को फाइलेरिया दवा खिलाने हेतु लक्षित किया गया है। इसके लिये जनपद में ग्रामीण व अर्बन क्षेत्रों हेतु 2730 टीम लगायी गयी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरके गौतम ने बताया कि फाइलेरिया एक लाइलाज बीमारी है इसलिए जनमानस से अपील है कि डीईसी और एलबेंडाजोल कि एक खुराक का सेवन



गतिविधियां संपन्न करा दी जाएं। साथ ही ग्राम प्रधान की ओर से दवा का सेवन कर उद्घाटन किया जाए। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. एसपी गंगवार ने कहा कि यह दवा फाइलेरिया रोग से बचाव के लिए हर स्वस्थ व्यक्ति को खानी है। यह दवा 2 साल से छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर रूप से

अवश्य करे। बैठक में समस्त अपर, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डीपीओ व अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारी, डीपीएम, डीसीपीएम व समस्त ब्लॉक के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, बीपीएम, बीसीपीएम व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जयंती पर याद किये गए राजा रमन्ना

लोक पहल

शाहजहांपुर। स्वामी शुकदेवानंद महाविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से भारतीय परमाणु वैज्ञानिक राजा रमन्ना के जन्मदिन पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भौतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष शिशिर शुक्ला ने कहा कि महान भौतिकविद राजा रमन्ना भारत के परमाणु कार्यक्रम से चार दशक तक जुड़े रहे। 18 मई 1974 को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर राजस्थान के पोखरण में भारत द्वारा किए गए परमाणु परीक्षण कार्यक्रम (स्माइलिंग बुद्ध) के मुख्य सूत्रधार राजा रमन्ना ही थे। उन्होंने बताया कि राजा रमन्ना भौतिकी के साथ साथ संगीत व दर्शन के भी महान ज्ञाता थे। उन्होंने नाभिकीय ईंधन एवं नाभिकीय रिएक्टर के साथ-साथ पियानोवादन में भी महारथ हासिल की थी। 1978 में उनके द्वारा



इराक के तत्कालीन राष्ट्रपति का परमाणु बम बनाने का प्रस्ताव ठुकरा दिया गया था। भारत सरकार के द्वारा उन्हें शांतिस्वरूप भटनागर, पद्मश्री, पद्मभूषण एवं पद्म विभूषण पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक हर्ष पाराशरी, राजनंदन सिंह राजपूत, सत्येंद्र कुमार सिंह, नितिन शुक्ला, उज्ज्वल पांडेय एवं देवेंद्र कुमार सहित भौतिकी के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सीख

ट्रेन तेजी से गुजर रही थी। साइड की ऊपरी बर्थ पर लेटी तकरीबन 8

लघुकथा

साल की बच्ची ने अचानक करवट लेकर अपनी माँम को आवाज लगाते हुए इशारे से कुछ खाने के लिए मांगा। उन्होंने बच्ची की जरूरत जानकर बैग में रखा संतरा निकाला। सीट से खड़े होकर माँम ने कहा-ईरा ऐले ऑरेंज। ईरा ने ऑरेंज को छीलकर जैसे ही छिक्कल को नीचे फेंकने को हाथ बढ़ाया वैसे ही उसकी मां ने उससे प्यार से कहा। नहीं ईरा, नीचे गंदा हो जाएगा। छिक्कल को एक जगह रख ले। बाद में नीचे फेंक दूंगी। माँम और इरा की यह बातें सुन सामने की सीट पर तेजी के साथ मूंगफली के दाने चबा कर छिक्कल सीट के पास फेकते जा रहे एक नौजवान मुसाफिर के हाथ थम गए। उसने मूंगफली की थैली को बंद कर उसके छिक्कल बटोर कर खिड़की से बाहर फेंक दिग। उसके चेहरे की रंगत बदल चुकी थी। आसपास बैठे मुसाफिरों की नजरें भी उस पर टिक गई। उसके चेहरे पर एक अजीब सा भाव था। संभवतः वह आत्मग्लानि से भरा था। एकाएक ट्रेन की गति धीमी हुई और अगले स्टेशन पर ट्रेन के रुकने के साथ ही वह उससे उतर गया।



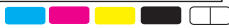
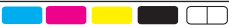
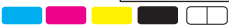
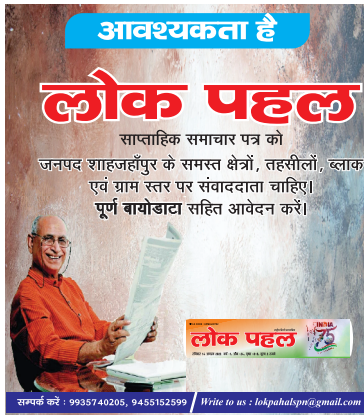
कुलदीप 'दीपक'

गीतिका

ये तिरंगा महान है प्यारे।
एक प्रण के समान है प्यारे।
शौर्य है, शांति और हरियाली,
तीन रंगों की शान है प्यारे।
कह रहा रात-दिन करो मेहनत,
चक्र का जो निशान है प्यारे।
ये तिरंगा नहीं है मामूली,
आन औश बान-शान है प्यारे।
'ज्ञान' आजाद देश का अपना,
राष्ट्रध्वज राष्ट्रगान है प्यारे।



ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान'



सम्पादकीय

विविधता में एकता का संदेश देता है गणतंत्र दिवस

गणतंत्र दिवस की जयकार कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक गूँज रही है। भारत के साथ राजनीतिक क्रांतियाँ करने वाले कई देशों में पिछले सात दशकों के दौरान पूरी व्यवस्था बदल गई। संविधान बदल गए। विचारधाराएँ बदल गईं। राष्ट्रपतियाँ और प्रधानमंत्रियों के तख्तापलट हिंसक क्रांति से हुए। जनता के लिए प्राथमिकताएँ बदलीं। दोस्त और दुश्मन भी बहुत बदले। इस दृष्टि से सारी कमजोरियों और समस्याओं के बावजूद भारतीय गणतंत्र की चमक और शक्ति बरकरार रहने पर हमें प्रसन्नता और गौरव का अनुभव तो होना चाहिए?

समय की आवश्यकता और नई चुनौतियों को ध्यान में रखकर भारतीय संविधान में अनेक संशोधन हुए, लेकिन मूलभूत विचारधारा, सिद्धांतों, आदर्शों और प्राथमिकताओं में कोई बदलाव नहीं आया।

भारतीय राजनीति की उठापटक से विचलित हम सब होते हैं, लेकिन उसी राजनीति से दूरदर्शी, समर्पित, निष्ठावान, विश्व के विभिन्न देशों के नेताओं से कई गुना बेहतर और ईमानदार प्रधानमंत्री तथा राष्ट्रपति भारत को मिले हैं। पिछले 70 वर्षों में भारत ने अल्पसंख्यक—मुस्लिम, सिख, दलित और महिला राष्ट्रपति बनाकर गौरव महसूस किया है। महिला प्रधानमंत्री तो बहुत पहले भारत को मिल गई थीं। इसलिए हर बार गणतंत्र दिवस पर जब भारतीय सेना के साथ समाज को प्रतिबिंबित करने वाली झाँकियाँ तथा नर्तक टोलियाँ राजपथ से लाल किले तक निकलती हैं तो पूरी दुनिया में विविधता में एकता, अखंडता तथा दृढ़ता का संदेश देती हैं।

गणतंत्र दिवस मनाने का मुख्य कारण यह है कि इस दिन भारत का गणतंत्र और संविधान लागू हुआ था। इसके अलावा इस दिन का एक और इतिहास है, जो काफी दिलचस्प है। इसकी शुरुआत दिसंबर 1929 में पंडित नेहरू की अध्यक्षता में लाहौर में आयोजित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन से हुई। जिसमें कांग्रेस ने घोषणा की थी कि यदि 26 जनवरी 1930 तक भारत को डोमिनियन का दर्जा नहीं दिया गया तो भारत अपने आप को पूरी तरह से स्वतंत्र घोषित कर देगा, लेकिन जब वह दिन आया और ब्रिटिश सरकार द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया। उस दिन से कांग्रेस ने एक आन्दोलन शुरू कर दिया। स्वतंत्रता प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ सक्रिय आंदोलन। इसलिए संविधान की स्थापना के लिए 26 जनवरी का दिन चुना गया जब हमारा देश भारत आजाद हुआ।

असल में बहुत कुछ इस बात पर निर्भर है कि आप गंगा, यमुना, नर्मदा, कावेरी, सतलज के किस हिस्से के पानी का रंग देखते हैं। आप पहाड़ से निकले स्वच्छ जल का आनंद लेना चाहते हैं या दूसरे किनारे के कीचड़ की गहराई में घँसने की कोशिश करते हैं। भारतीय लोकतंत्र पर रुदन करने वाले भूल जाते हैं कि संसदीय व्यवस्था के बजाय राष्ट्रपति प्रणाली वाले अथवा सैनिक तानाशाहों के जंगी हाथों से संचालित देशों में स्थितियाँ हमसे कई गुना बदतर हैं। हमारे हजारों गाँवों में अभी लोकतांत्रिक व्यवस्था की पूरी रोशनी नहीं पहुँची है, लेकिन लोगों ने आशा नहीं छोड़ी है। आर्थिक विकास, परमाणु ऊर्जा, शैक्षणिक प्रगति, चंद्रयान की सफलता, विश्व के श्रेष्ठतम चिकित्सकों के ऑपरेशन, कम्प्यूटर—सॉफ्टवेयर कौशल के चमत्कार इसी लोकतंत्र की देन हैं। जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गाँधी, राजीव गाँधी, अटलबिहारी वाजपेयी और सोनिया गाँधी और भारी बहुमत के साथ प्रधानमंत्री बने नरेन्द्र मोदी ने जनता के सपनों को पूरा करने के लिए व्यापक हितों वाले अनेकानेक कार्यक्रमों को क्रियान्वित करवाया। परिवर्तन की यह कहानी गहरे तक सोचने पर विवश करती है। हर समुद्र मंथन में विष और अमृत, मोती और पत्थर निकलते हैं। पारंपरिक रूप से नईदुनिया की आस्था लोकतांत्रिक तरीके से समाज और राष्ट्र को समृद्ध तथा सशक्त करने की रही है।



शिशिर शुक्ला

प्रशिक्षुता योजना' के तहत उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले से दस हजार इंटरमीडिएट उत्तीर्ण एवं डिग्रीधारक बेरोजगार युवाओं का चयन करके उन्हें एक साल का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन युवाओं को प्रतिमाह आठ से नौ हजार का स्टाइपेंड भी दिया जाएगा। वर्ष 2017 में जब से श्री योगी आदित्यनाथ जी ने उत्तर प्रदेश की बागडोर अपने हाथों में ली है, उन्होंने प्रदेश की युवाशक्ति के विकास, कौशलोन्यन एवं रोजगार हेतु कई सक्रिय कदम उठाए हैं। आगामी मुख्यमंत्री प्रशिक्षुता योजना भी इन्ही महत्वपूर्ण प्रयासों में से एक है। ध्यातव्य है कि उत्तर प्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है और दिलचस्प बात यह है कि भारत जनसंख्या के क्षेत्र में चीन को पीटकर विश्व में अव्वल बनने की तैयारी में है। युवाशक्ति को लेकर उत्तर प्रदेश शीर्ष पांच राज्यों में आता है।

हाल ही में समाचार पत्रों एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त आंकड़ों के द्वारा एक कड़वा एवं चौंकाने वाला सच सामने आया। कर्मचारी चयन आयोग की मल्टीटास्किंग स्टाफ भर्ती जिसके लिए शैक्षिक योग्यता महज दसवीं उत्तीर्ण होना है, उसमें पिछले कुछ वर्षों से यूपी व बिहार के एमटेक, एमबीए, एमसीए, बीटेक एवं बीएड जैसे डिग्रीधारक युवा लगातार आवेदन कर रहे हैं। परिचारक, चौकीदार, सफाईकर्मी, गेटकीपर इत्यादि पदों पर भर्ती के लिए इतने उच्च शिक्षित युवाओं का कतार में लगना निश्चित रूप से पीड़ादायक एवं चिंताजनक है। दो वर्ष पूर्व नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट, कानपुर में मल्टीटास्किंग स्टाफ हेतु आठ बीटेक

उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन हुआ था। इतना तो निश्चित ही है कि उच्च शिक्षित युवा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी बनने का स्वप्न कदापि नहीं देख रहा होगा। निस्संदेह मजबूरीवश ही उसके द्वारा ऐसा कदम उठाया गया होगा।

सत्य तो यह है कि बेरोजगारी भारत की सबसे गंभीर समस्या है। बेरोजगारी के वस्तुतःअनेक रूप हैं जिनमें शिक्षित बेरोजगारी बड़ी तीव्रता के साथ भारत में अपने पांव पसार रही है। बेरोजगारी चाहे किसी भी तरह की हो, उसकी नींव तैयार करने में जनसंख्या वृद्धि का एक महत्वपूर्ण योगदान होता है। भारत में व्याप्त विभिन्न द्वितीयक समस्याएं जनसंख्या वृद्धि की समस्या का ही सहउत्पाद हैं। संसाधनों पर नित्यप्रति बढ़ता अनियंत्रित जनसंख्या का दबाव बेरोजगारी जैसे संत्रास को बढ़ावा देता है। शिक्षित बेरोजगारी दिन प्रतिदिन अपने पाश में भारत को बड़ी



मजबूती से जकड़ रही है। जनसंख्या की ज्वलंत समस्या के अतिरिक्त बड़ी संख्या में शिक्षित बेरोजगारों की भीड़ बढ़ते जाने का एक कारण यह भी है कि कहीं न कहीं हमारी शिक्षा व्यवस्था दोषपूर्ण है। उच्च शिक्षा से संबंधित विभिन्न डिग्रियों जैसे—बीटेक, एमबीए, एमसीए इत्यादि का जो स्तर कई दशक पहले था, आज वह कदापि नहीं है। कारण यह है कि एक ही डिग्री, आईआईटी जैसे उच्च गुणवत्तापूर्ण संस्थान से भी मिल रही है एवं वही डिग्री एक घिसे पिटे प्राइवेट संस्थान से भी प्राप्त हो जा रही है। लिहाजा डिग्रीधारकों की एक बड़ी तादाद प्रतिवर्ष तैयार होती जा रही है, लेकिन गुणवत्ता के पैमाने पर यह भीड़ सामान्य से भी काफी नीचे स्तर पर

होती है। एक अन्य उल्लेखनीय बात यह है कि आर्थिक रूप से सम्पन्न बड़े बड़े धनाढ्य लोग व्यवसायोन्मुखी मानसिकता के कारण नए नए शिक्षण संस्थान खोल रहे हैं। जनसंख्या की अति के कारण इन संस्थानों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी बड़ी आसानी से मिल जाते हैं। ऐसे विद्यार्थी जो अच्छे स्तर के संस्थानों में प्रवेश पाने से वंचित रह जाते हैं, वे इन गुणवत्ताविहीन संस्थानों में केवल और केवल डिग्री हासिल करने के लिए प्रवेश ले लेते हैं। संस्थान भी विद्यार्थियों को ग्राहक समझकर उनसे धन खींचने में सफल हो जाते हैं। नतीजतन, एक ही डिग्री उच्च मानसिक व बौद्धिक स्तर के विद्यार्थी के पास भी होती है और उस विद्यार्थी के पास भी होती है जोकि सही मायने में उसके लायक ही नहीं है।

बेरोजगारी के उन्मूलन हेतु व्यक्तिगत एवं शासन स्तर से स्थाई कदम उठाए

जाने की महती आवश्यकता है। बेरोजगारी के कुप्रभाव आए दिन युवाओं में बढ़ते असंतोष, हिंसा व अराजकता की बढ़ती घटनाओं एवं युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति के रूप में देखी जा सकती है। जब युवा अपने भविष्य को लेकर निराश हो जाता है तो अपराध का जन्म होता है। बेरोजगारी के अभिशाप से मुक्ति पाने के लिए यह नितांत आवश्यक है कि

सर्वप्रथम अनियंत्रित होती जनसंख्या को काबू में किया जाए। जब तक जनसंख्या पर लगाम नहीं लगाई गई, बेरोजगारी उन्मूलन के लिए किया जाने वाला प्रत्येक उपाय निष्फल सिद्ध होगा। शासन के द्वारा शिक्षा को लेकर ऐसी नीति बनाने की आवश्यकता है जिससे उच्च शिक्षा की विभिन्न डिग्रियां उन्ही युवाओं को मिलें जो वास्तव में इनके योग्य हैं। ऐसे युवाओं के लिए, जिनका बौद्धिक स्तर अपेक्षाकृत कम है, विभिन्न रोजगारपरक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। निस्संदेह उत्तर प्रदेश सरकार की 'मुख्यमंत्री प्रशिक्षुता योजना' बेरोजगारी उन्मूलन की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

तिरंगा

भारत की पहचान तिरंगा ।

भारत का सम्मान तिरंगा ।।

भारत की है शान तिरंगा ।

हम सबकी है जान तिरंगा ।।

देश का हर इक इंसां बोले ।

हम सबकी है आन तिरंगा ।।

देश के हर संकट में हम सब ।

वारें तुझ पर जान तिरंगा ।।

मुश्किल और मुसीबत में भी ।

करें तेरा गुणगान तिरंगा ।।

शाम – सवेरे , सोते उठते ।

बस ! तेरा ही ध्यान तिरंगा ।।

रहे हमेशा देश सुरक्षित ।

मांगे यह वरदान तिरंगा ।।

सबसे प्यारा देश है भारत ।

करता है ऐलान तिरंगा ।।

आजादी के मतवालों से ।

ऊंची तेरी शान तिरंगा ।।

बोले हर इक सांस ये जुगनू ।

हम तुझ पर कुर्बान तिरंगा ।।



राशिद हुसैन राही 'जुगनू'

ज्ञान ही लक्ष्य की पूर्णता में सहायक है



डा. कनक रानी

‘अज्ञान को दूर करने की उच्च विचारणा’ वैदिक संहिता में ‘सरस्वती सूक्त’ के अंतर्गत मंत्र है—चोदयित्री सूनृतानां सुमतीनाम्। यज्ञम्

धेहि सरस्वती । (ऋग्वेद 5/16/31)

देवी सरस्वती वाणी को रसमयता से अनुग्रहीत करती हैं। रस का अर्थ है—आनंद। रसेन सहिता अर्थात् वाणी रस संयुक्ता हो, आनन्ददायिनी हो। रस जगत नियंता का नाम है—रसो वै सरु। आध्यात्मिक परिप्रेक्ष्य में वाणी द्वारा आनंद स्वरूप ईश का स्तवन मंगलकारी है। वेदवाणी के अनुसार मानव जीवन के सम्मुख श्रेयस् मार्ग हो और उत्कर्ष का लक्ष्य। इस हेतु सरस्वती ज्ञान और कर्म से जीवन—यज्ञ के अनुष्ठान को सफल बनाएं। अस्तु, प्रज्ञा को प्रखर बना कर मानव जीवन को अर्थवान बनाने की महती भूमिका है यहां। सरस्वती वाणी की देवी हैं। वाणी में असीम शक्ति निहित होने के कारण इसके समुचित प्रयोग का उत्कृष्ट संदेश दिया गया। जीवन में मधुर वाणी के परिणाम आशातीत देखे जाते हैं। पारस्परिक शत्रुभाव को तिरोहित करने तथा मित्रभाव स्थापित



बसंत पंचमी पर विशेष

करने में इसका प्रभाव सर्वज्ञात है। वैदिक साहित्य के अन्तर्गत वाक् सूक्त सत्य एवं प्रिय वचनों के संदर्भ में मानव को अनुप्राणित करता है। वाणी की मधुरता से मन को जीता जा सकता है, विवादों को निराकृत किया जा सकता है, शांति का पथ प्रशस्त किया जा सकता है। धर्मग्रंथ कहते हैं कि—सत्यम् ब्रूयात् प्रियम् ब्रूयात्—अर्थात् सत्य तथा प्रिय बोलना चाहिए। लोकहितार्थ मृदु वाणी का प्रयोग ही समीचीन है। कठोर वाणी के प्रयोग के प्रयोग से बचना चाहिए—उग्रं वचो अपावधो—(यजुर्वेद/5/8) वाक् देवी सरस्वती विद्यादायिनी हैं, बुद्धिप्रदायिनी हैं। ध्यातव्य है कि सुमति से ही सद्गुणों में प्रवृत्ति दुर्गुणों से

निवृत्ति संभव है। सद्बुद्धि ही यथोचित मार्ग पर संचालित कर वैयक्तिक उत्कृष्टता और सामाजिक समरसता में सहायक बनती है। परिवेश में सकारात्मकता/अनुकूलता को विस्तारित करने की दृष्टि से इसे प्रभावी उपकरण कहना अनुचित नहीं। वाणी के संयमन में सुखद सामाजिक वातावरण का सृजन करने की विलक्षण क्षमता होती है। इस हेतु अपेक्षा है कि ज्ञान समन्वित संभाषण को चरितार्थ किया जाए, सत्यपरक—मृदुल वाणी को प्राथमिकता दी जाए। स्मरणीय है कि वाणी का स्खलन अवनति का कारण बन सकता है, बहुविध अनर्थों का कारक बन सकता



नगर निगम की इन्वेस्टर्स समिट में का आयोजन

शहर में 600 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव, केआर ग्रुप करेगा 400 करोड़ का निवेश

लोक पहल

शाहजहापुर। नगर विकास विभाग की ओर से नगर निगम के कार्यालय में इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन हुआ। इस दौरान करीब छह सौ करोड़ रुपये निवेश के प्रस्ताव आए। इससे शहरी क्षेत्र में शॉपिंग मॉल, प्लास्टिक मैनेजमेंट, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट आदि प्रोजेक्ट लगाने की राह आसान हुई है। नगर विकास विभाग द्वारा प्रदेश स्तर पर हुई इन्वेस्टर्स समिट आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई। मुख्य अतिथि

मंत्री अरविंद शर्मा ने वीडियो कांफ्रेंसिंग पर विचार रखे। नगर निगम कार्यालय में उद्यमियों व अधिकारियों ने विचारों को सुना। स्थानीय उद्यमियों ने निवेश के प्रस्ताव रखे। कार्यक्रम में निवेशक के रूप में लेदर ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड ने एनर्जी एमएसडब्ल्यू वेस्ट सेग्रीगेशन के क्षेत्र में 45 से 50 करोड़, मैसर्स नेटवर्क द्वारा ड्राई प्लास्टिक रिसाइकलिंग सिटी कंपोस्ट के क्षेत्र में 20 से 25 करोड़, कुंज इंफ्रा डेवलपर्स द्वारा विकास के क्षेत्र में 40 से 45 करोड़, ग्रैंड आर्क होटल द्वारा हेल्थ के क्षेत्र में 20 करोड़, पैसफिक हेल्थ केयर ने पॉलिथीन के विकल्प



के रूप में पेपर बैग की इंडस्ट्री के लिए पांच से दस करोड़, भारती गुडविल इंटरप्राइजेज ने विकास के लिए 40 करोड़,

केआर ग्रुप द्वारा 400 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव रखा है। नगर आयुक्त संतोष शर्मा ने बताया कि छह सौ करोड़ रुपये के निवेश

की सहमति मिली है। इससे नगर क्षेत्र को विकास की एक नई दिशा मिलेगी, साथ ही रोजगार सृजन भी होगा। इस मौके पर अपर नगर आयुक्त एसके सिंह, सहायक नगर आयुक्त रश्मि भारती, उद्यमी डॉ. तेजवीर सिंह, हर्ष गोविंद मोदी, विजय कुमार, संतदीप भारती, रघना मोहन, अमित अग्रवाल आदि मौजूद रहे, के.आर. ग्रुप के सीनियर डीजीएम अमित अग्रवाल ने बताया कि आरएस मिशन क्षेत्र में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा। इसका नाम कान्हा मॉल रखा जाएगा। इसके अतिरिक्त रेजीडेंशियल प्रोजेक्ट भी बनेगा।

एसएस कालेज में मनाई गई नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती

लोक पहल

शाहजहांपुर। स्वामी शुकदेवानंद महाविद्यालय, के इतिहास विभाग द्वारा पराक्रम दिवस के अवसर पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ नेता जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके पुष्पांजलि के द्वारा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. आलोक मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने अपने जीवन को राष्ट्र के प्रति समर्पित कर दिया और उस दौर में अपनी प्रतिभा के बल पर एक सैन्य संगठन खड़ा करके आजादी का बिगुल बजाया, था जो उनके अदम्य साहस को दर्शाता है।' प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार आजाद ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि 'आज राष्ट्र,



देश के सच्चे सपूत नेताजी को नमन कर रहा है ,आज की पीढ़ी के लिए नेता जी का त्याग ,सेवा ,समर्पण ,बलिदान एक आदर्श है। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ मधुकर श्याम शुक्ला, प्रमोद यादव, सुजीत कुमार वर्मा, दुर्ग विजय, राम शंकर

पांडे, बलवीर शर्मा, पद्मजा मिश्रा, प्रतिभा शर्मा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन इतिहास विभाग के वरिष्ठ आचार्य डॉ दीपक सिंह ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ धर्मवीर ने सभी का आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया।

गणतंत्र दिवस पर गांधी पुस्तकालय में संगोष्ठी का आयोजन

जिलाधिकारी ने किया गांधी जी प्रतिमा का माल्यार्पण

लोक पहल

शाहजहांपुर। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने गांधी पुस्तकालय पहुंच कर महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर ध्वजारोहण किया। उन्होंने मां सरस्वती एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर विचार गोष्ठी का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने गांधी जी की विचार धारा की प्रासंगिकता को विस्तार पूर्वक बताया तथा गांधी जी के मनोबल, दृढ़ इच्छा शक्ति, सत्य एवं अहिंसा के बल पर आजादी में



उनके द्वारा दिये गये योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में गांधी जी का दर्शन अत्यंत प्रासंगिक है तथा भावी पीढ़ी को इस प्रकार की गतिविधियों से

अवश्य जोड़ना चाहिए जो उनके विचारों को आगे ले जा सके। इस मौके पर नगर मजिस्ट्रेट आशीष कुमार सिंह, अजय गुप्ता, ज्ञानेन्द्र मोहन ज्ञान आदि मौजूद रहे।

प्रबंधन विभाग की प्रदर्शनी में प्रस्तुत मॉडलों को सभी ने सराहा

लोक पहल

शाहजहांपुर। स्वामी शुकदेवानंद महाविद्यालय के बीबीए विभाग में दो दिवसीय प्रबंधन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. राकेश कुमार आजाद ने फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। महाविद्यालय के उप प्राचार्य डा. अनुराग अग्रवाल, इग्नू विभाग के अध्यक्ष डा. प्रभात शुक्ला तथा बीबीए विभाग के अध्यक्ष अंकित अवस्थी ने स्वामी शुकदेवानंद महाराज के चित्र पर माल्यार्पण किया।

अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए मॉडल को देखा एवं उन को प्रोत्साहित किया। बीबीए के विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए विभिन्न मॉडल में कार शोरूम पर रुद्र और विकल्प, वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट अनुभव और विकल्प, स्मार्ट सिटी साक्षी और नैसी सिटी मॉल अंशिका और टीना,



चॉकलेट फैक्ट्री अंजनी और इशिका, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स रोहित और अथर्व, थर्मल पावर प्लांट हजरा और नीलाक्षी, स्मार्ट सिटी उत्पल और अभिषेक, तथा एस एस कॉलेज का मॉडल कंगना और वैभव इत्यादि ने मॉडल बनाकर उनकी व्याख्या सहित प्रस्तुतीकरण किया। प्राचार्य डा. आजाद ने छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से हमारी व्यवहारिक क्षमता विकसित होती है। डा.

अनुराग अग्रवाल ने कहा कि माडल बनाने से विद्यार्थियों को व्यावसायिक गतिविधियों की जानकारी होती है। बीबीए विभागाध्यक्ष अंकित अवस्थी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अयोजन में बीबीए की महिमा सिंह, सुमित सक्सेना, मनीष आदि का सहयोग रहा। इस अवसर पर डॉ॰ गौरव सक्सेना, डा विजय तिवारी, डा संदीप अवस्थी, सुमित त्रिवेदी, राजेश सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

मतदान प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार : प्रो. आजाद

मतदाता दिवस पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन



लोक पहल

शाहजहाँपुर। एस एस कॉलेज में डीएलएड विभाग द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के संदर्भ में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. डॉ. राकेश कुमार आजाद ने कहा कि ऐसे व्यवहारिक प्रयासों को अधिक से अधिक बढ़ावा देने की आवश्यकता है। देश का नागरिक होने के नाते देश हित में हमें अपना मत का प्रयोग अवश्य करना चाहिए।

इग्नू प्रभारी प्रो. डॉ. प्रभात शुक्ला ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की हमेशा यही कोशिश रहती है कि लोकतंत्र के इस पर्व का हिस्सा बने। उन्होंने अपने प्रथम मत का प्रयोग करने वाले प्रशिक्षकों

को बर्धाई और हार्दिक शुभकामनाएं दी। डीएलएड प्रभारी डॉ मनोज मिश्रा ने कहा कि मतदान करना प्रत्येक नागरिक का पुनीत कर्तव्य एवं दायित्व है। कार्यक्रम ने निर्णायक की भूमिका विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र प्रवक्ता, अमिता रस्तोगी, शिवानी भारद्वाज, नीरज गुप्ता ने निभाई। आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कौशांबी गुप्ता ने द्वितीय स्थान तुलसी गुप्ता ने और तृतीय स्थान संयुक्त रूप से शीतल देवी व प्रियंका सक्सेना ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में गौरव शर्मा, अभिषेक बाजपेई, शैलेंद्र द्विवेदी, सर्वोत्तम शर्मा, प्रतिभा द्विवेदी, रचना रस्तोगी एवं जय सिंह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ मनोज कुमार मिश्र ने सभी का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

सुभाषचन्द्र बोस की जयंती पर निकाली रैली



लोक पहल

शाहजहांपुर। डॉ० सुदामा प्रसाद विद्यास्थली के कक्षा 09 से 12 तक के छात्र-छात्राओं द्वारा आज नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के जन्मदिवस पर विद्यालय से सुभाष चौराहे तक पैदल रैली निकालकर नारेबाजी करते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या

उज्जवल मिश्रा ने बच्चों को नेता जी सुभाष चन्द्र बोस का स्वतन्त्रता में क्या योगदान था इस बारे में चर्चा की और बच्चों से इस विषय पर पश्न भी पूछे। रैली में विद्यालय की अनीता सिंह, शैलजा मिश्रा, चेतना अवस्थी, अपर्णा मिश्रा, ऋचा अग्निहोत्री, प्रिन्स द्विवेदी, विवेक सक्सेना, विनीत सक्सेना, दीपक वर्मा, सौरभ शर्मा, नील वर्मा आदि उपस्थित रहे।



जनपद में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी ने किया ध्वजारोहण, जेल में बंदियों ने प्रस्तुत किये सांस्कृतिक कार्यक्रम

लोक पहल

शाहजहांपुर। जनपद में 74वां गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर गणतंत्र दिवस मनाया गया। साथ ही जनपद की विभिन्न तहसीलों तथा ब्लॉकों में भी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने गांधी भवन में महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री, सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर नमन किया तथा नगर निगम परिसर व शहीद उद्यान में शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। शहीद उद्यान में शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण उपरांत जिलाधिकारी ने शहीद पंडित राम प्रसाद बिस्मिल पार्क में पंडित राम प्रसाद बिस्मिल



स्मारक व पंडित राम प्रसाद बिस्मिल की प्रतिमा को तिलक लगाकर पुष्प अर्पित करते हुये श्रद्धांजलि दी साथ ही जिलाधिकारी ने शहीद स्तंभ, खिरनी बाग चौराहा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट में ध्वजारोहण किया। साथ ही इस अवसर पर कलेक्ट्रेट के कर्मचारियों द्वारा भी देश भक्ति गीतों की सुन्दर प्रस्तुति की गयी। इस अवसर

पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट सुशांत सिंह ने भी "ए-वतन मेरे" देश भक्ति गीत सुन्दर प्रस्तुति की। इस अवसर पर जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह, एडीएम प्रशासन रामसेवक द्विवेदी व एडीएम एफआर त्रिभुवन, नगर मजिस्ट्रेट आशीष कुमार सिंह, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट सुप्रिया गुप्ता, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट दशरथ कुमार, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट सुशांत सिंह एवं उप जिलाधिकारी न्यायिक पुवायां



कपिल देव सहित अन्य अधिकारियों ने भी सम्बोधित किया। उधर जिला जेल में गणतंत्र दिवस भव्य रूप से मनाया गया। इस मौके पर बंदियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला मजिस्ट्रेट उमेश प्रताप सिंह, अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पीयूष तिवारी, अपर जिला मजिस्ट्रेट प्रशासन राम सेवक

द्विवेदी, नगर मजिस्ट्रेट आशीष कुमार सिंह तथा विशिष्ट अतिथि विनोबा सेवाश्रम के प्रधान संचालक रमेश भैया, कवि इन्दु अजनबी, पूर्व प्रधानाचार्य रामपाल सक्सेना, पूर्व प्रधानाचार्य जेडी सक्सेना, समाज सेवी/व्यापारी वेद प्रकाश गुप्ता, सचिन बाथम, राजीव कृष्ण अग्रवाल, शरद राही, विकास सक्सेना आदि ने बंदियों का उत्साहवर्धन किया। जेल अधीक्षक मिजाजी लाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।



गणतंत्र दिवस पर पूरी शान से लहराया तिरंगा

पुलिस लाइन में मंत्री सुरेश खन्ना ने ली परेड की सलामी, पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित



लोक पहल

शाहजहांपुर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर पूरी शान के साथ तिरंगा झंडा फहराया गया। अमर शहीदों और महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद पुलिस लाइन में परेड का आयोजन किया गया। इसमें देशभक्ति के तरानों के बीच परेड की गई। सुबह साढ़े 9.30 बजे कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने झंडा

धूमधाम से मना गणतंत्र दिवस और बसंत पंचमी



शाहजहांपुर लोक पहल। ग्राम पंचायत भटपुरा रसूलपुर में पंचायत भवन एवं जेपी पब्लिक स्कूल में ग्राम प्रधान अनिल कुमार गुप्ता ने अपने स्टाफ के साथ झंडारोहण कर गणतंत्र दिवस मनाया एवं सरस्वती माता के चित्र पर फूल अर्पित किए ! ग्राम प्रधान अनिल कुमार गुप्ता ने सभी ग्रामवासियों व स्कूल के बच्चों को 26 जनवरी के महत्व के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्या हिना खाँ, अध्यापिका श्रेया त्रिवेदी, मंजू, लक्ष्मी गुप्ता, देविना गुप्ता, संध्या पांडे, तृप्ति गुप्ता, रीना खाँ, किरन, रुबीना, रुस्तु सिद्दीकी सहित सभी टीचर मौजूद रही।

फहराया। इसके बाद पुलिस की आठ टीमें ने परेड कर सलामी दी। फायर यूनिट, वज्र वाहन, डोंग स्क्वाड टीम भी शामिल रही। इस अवसर उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया। तिलहर इंस्पेक्टर राजकुमार शर्मा को उत्कृष्ट विवेचना के लिए 50 हजार नकद व सम्मान पत्र, पुलिस लाइन के मुख्य आरक्षी इंद्रपाल सिंह, आरक्षी जय

प्रकाश व संजीव को वर्ष 2020 में गृह मंत्रालय भारत सरकार का अति उत्कृष्ट सेवा पदक, वर्ष 2021 में गृह मंत्रालय का अति उत्कृष्ट सेवा पदक निरीक्षक राजेंद्र बहादुर सिंह को दिया गया। उत्कृष्ट सेवा सम्मान चिन्ह से एसपी के पीआरओ निरीक्षक विनोद कुमार को सम्मानित किया गया। इस मौके पर डीएम उमेश प्रताप सिंह, एसपी एस. आनंद भी मौजूद रहे।

एसएस लॉ कालेज में स्वामी चिन्मयानन्द ने फहराया तिरंगा

एसएस कालेज में प्राचार्य आरके आजाद ने किया झण्डारोहण

लोक पहल

शाहजहांपुर। 74वें गणतंत्र दिवस पर स्वामी शुक्रदेवानंद विधि महाविद्यालय के प्रांगण में स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने झण्डा फहराया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत जिस शिखर तक पहुँचना चाहता है, स्वाधीनता के जिस अर्थ को विश्व तक पहुँचना चाहता है, उसके रास्ते में तमाम कठिनाइयाँ हैं परंतु मिलती हुई सफलताएँ निश्चित रूप से यह संकेत देती हैं कि ना केवल हम एक लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में मजबूत हुए हैं बल्कि विश्व में जहाँ भी लोकतंत्र पर संकट आता है या कोई देश अपनी साम्राज्यवादी नीतियों के कारण दूसरे देश को हड़पने की कोशिश करता है तो उस पीड़ित और प्रताड़ित देश के साथ भारत मजबूती से खड़ा दिखाई पड़ता है। देश के समक्ष खड़े कठिनाइयों को पार करना हमारा स्वभाव है हम उनके प्रेरणा ग्रहण करते हैं। उन्होंने कहा कि 28 प्रांतों और 8 केंद्र शासित राज्यों में हम लोकतांत्रिक सरकार बनाने व चलाने में सफल हैं तो, इसमें देश की जागरूक एवं सजग जनता का महत्वपूर्ण योगदान है, जिसकी गणतांत्रिक व्यवस्था प्रति की गहरी आस्था है।



उधर स्वामी शुक्रदेवानंद महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. राकेश कुमार आजाद ने महाविद्यालय प्रांगण में झण्डा फहराया। डॉ. प्रतिभा सक्सेना के निर्देशन में सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. आलोक सिंह के संचालन में हुए कार्यक्रम में हरीश चंद्र

श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में उपप्राचार्य डॉ. अनुराग अग्रवाल, डॉ. प्रभात शुक्ला, डॉ. आदित्य कुमार सिंह, डॉ. हरीश चंद्र, डॉ. आलोक मिश्रा, डॉ. शालीन सिंह, डॉ. आलोक कुमार सिंह, डॉ. श्रीकांत मिश्रा, डॉ. पूनम, डॉ. पवन कुमार गुप्ता, डॉ. अमित कुमार यादव, डॉ. अनिल कुमार, अशोक कुमार, सचिन कुमार, डॉ. प्रेम सागर, मृदुल शुक्ला, अजीत कुमार, विजय सिंह, अमरेंद्र सिंह, डॉ. दीप्ति गंगवार, डॉ. सुशील कुमार, अरविंद कुमार, अमित सैनी, गौरव गुप्ता, सर्वेश कुमार शर्मा, शिव ओम शर्मा, सुनील चौहान, प्रो. मीना शर्मा, डॉ. अजीत सिंह चारग, एसपी डबराल सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। अंत में सभी का आभार लॉ कालेज के प्राचार्य डा. जेएस ओझा ने व्यक्त किया।



शाहजहांपुर। वामा सारथी" की ओर से गणतन्त्र दिवस एवं बसंत पंचमी के अवसर पर पुलिस लाइन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं आयोजन किया गया तथा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

वामा सारथी की अध्यक्ष व पुलिस अधीक्षक की पत्नी देवी आनन्द की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में जूनियर नृत्य में रिहान, रानी, नैतिक, काव्या, प्रशांत, आशी, अनाया, लक्ष्य,

अंशिका, परी, सानवी, आध्या, सिमरन विजयी रहे। वहीं सीनियर नृत्य में मनीषा कश्यप, खुशबू, चौदनी, सालनी, शिवानी, श्रद्धा विजयी रही। इस मौके पर आयोजित कार्ड मेकिंग, धागा रेस, टॉफी दौड़ और 100 मीटर दौड़ में विजयी प्रतिभागियों को भी वाम सारथी की अध्यक्ष देवी आनन्द ने उपहार देकर पुरस्कृत किया। इस मौके पर मधु, बिन्नी वाजपेयी, शोभा, ज्योति आदि मौजूद रही। प्रतिसार निरीक्षक अब्दुल रईस खान ने सभी आभार व्यक्त किया।

आईएमए भवन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस



शाहजहांपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन भवन में नगर के चिकित्सकों ने गणतंत्र दिवस एवं बसंत पंचमी के उत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया। उत्सव का प्रारम्भ राष्ट्रगान एवं सरस्वती बंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर आईएमए के अध्यक्ष डॉ. विजय पाठक, सचिव डॉ. गौरव मिश्रा, कोषाध्यक्ष डॉ. मनमोहन लाल गुप्ता, वरिष्ठ सदस्य डॉ. पी. एन. रस्तोगी, डॉ. दीपा सक्सेना, डॉ. विकास टंडन, डॉ. आनन्द अग्रवाल आदि चिकित्सक उपस्थित रहे।





बच्चों में बढ़ाता है आत्मविश्वास

हार्वर्ड हेल्थ की रिपोर्ट के मुताबिक स्कूली उम्र के बच्चों (6 से 12 वर्ष की आयु) में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, दोनों में सुधार के लिए योग की आदत बनानी चाहिए। बच्चों में संतुलन, शक्ति, धीरज बढ़ाने के साथ मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिमों को कम करने में योग से लाभ पाया जा सकता है। चिंता और तनाव जैसे विकारों को कम करने के साथ भविष्य में अवसाद के खतरे से बचाने में भी नियमित योग को फायदेमंद पाया गया है। शोधकर्ता बताते हैं कि रोजाना योग करने वाले बच्चों के सामाजिक कौशल, आत्मविश्वास में भी बेहتری देखी गई है।

सुखासान है बहुत फायदेमंद

सुखासन योग बच्चों के लिए आसान और विशेष लाभप्रद हो सकता है। यह आसन सही तरीके से बैठने की मुद्रा है जिसमें पैरों को क्रॉस करके सीधे बैठना होता है। शरीर को आराम देने में मदद करने के साथ, बॉडी पॉश्वर को ठीक रखने, फोकस में सुधार करने, पीठ की मांसपेशियों को मजबूत करने और लचीलेपन को बढ़ावा देने में इससे मदद मिल सकती है। मानसिक एकाग्रता के लिए नियमित रूप से इस योगासन के लाभ हो सकते हैं।

बच्चों में डालें योग के नियमित आस की आदत

बच्चों का स्वस्थ बचपन, बेहतर भविष्य की नींव मानी जाती है, बच्चों के लिए पौष्टिक आहार के साथ नियमित व्यायाम की आदत संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिस प्रकार से मौजूदा समय में बढ़ रही तमाम प्रकार की गंभीर बीमारियों के लिए शारीरिक निष्क्रियता को प्रमुख कारण के तौर पर देखा जा रहा है, इससे सीख लेते हुए सभी माता-पिता को सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चे नियमित रूप से योग-व्यायाम जरूर करें। यह आदत न सिर्फ शारीरिक रूप से उन्हें सक्रिय रखने में मदद करेगी साथ ही यह आदत उन्हें भविष्य में कई बीमारियों से सुरक्षित रखने में भी सहायक होगी। यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रन इमरजेंसी फंड (यूनिसेफ) वैश्विक स्तर पर बच्चों के स्वस्थ पोषण और बेहतर भविष्य को लेकर जोर देता रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, योग के अभ्यास की आदत शारीरिक-मानसिक दोनों प्रकार के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।



बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए है बहुत लाभदायक

वृक्षासन

वृक्षासन या ट्री पोज को बच्चों के लिए सबसे अच्छे योग पोज में से एक माना जाता है। बच्चों की ऊंचाई बढ़ाने, र के संचार को ठीक रखने और शारीरिक विकास के लिए इस आस के लाभ हो सकते हैं। यह योगासन रचनात्मकता लाता है और संतुलन में सुधार करता है। शरीर की मुद्रा में गड़बड़ी के कारण होने वाली समस्याओं को कम करने और पैरों, कूल्हों, ग्लूट्स और कोर की मांसपेशियों को मजबूत करने में भी इस योग के लाभ हैं।

प्राणायाम और अनुलोम-विलोम

प्राणायाम दो शो प्राण+आयाम से मिलकर बनता है। इसमें प्राण का मतलब श्वसन और आयाम का मतलब रोकना है। बच्चों के लिए प्राणायाम के आस की आदत बहुत फायदेमंद हो सकती है। कपालभाति सबसे महत्वपूर्ण प्राणायाम आसन है, यह संपूर्ण शरीर के लिए फायदेमंद है। पाचन तंत्र को ठीक रखने से लेकर, फेफड़ों को मजबूत बनाने, फोकस और याददाश्त में सुधार करने के लिए रोजाना इस योगासन को किया जा सकता है। इसी तरह अनुलोम-विलोम का आस भी बच्चों के लिए जरूरी है। यह फोकस और फेफड़ों की क्षमता बढ़ाने, पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन की पूर्ति और हैप्पी हार्मोन रिलीज करने में सहायक है। प्राणायाम के आस प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती देते हैं।

देखो हँस मत देना

प्रेमिका: तुमको पता है कल मेरा बर्थडे है? मुझे या गिट दोगे? प्रेमी: जो तुम चाहो मेरी जान। प्रेमिका: रिंग? प्रेमी: ठीक है रिंग दूंगा पर उठाना मत, बैलेंस बहुत कम है।

दो पड़ितों में लड़ाई हो रही थी, उन्हें लड़ते बहुत देर हो गयी, तीसरा पड़ित: या हुआ, यों लड़ाई कर रहे हो? एक पड़ित बोला, जब मैं लहसुन, प्याज नहीं खाता, तो इस साल ने चिकन में डाला ही यों?

एक बार किसी ने पूछा की ये शादी कब होती है? जवाब ये था की जब आपको समय अनुकूल ना हो, राहु केतु और शनि की दशा खराब हो, आपका मंगल कमजोर हो, और भगवान ने भी आपकी मजे लेने की ठान ली हो। उस समय शादी हो जाती है!

पति: काश! मैं गणपति होता, तुम रोज मेरी पूजा करती, मुझे लड़्डू खिलाती, बड़ा मजा आता। पत्नी: हां, काश तुम गणपति होते, मैं रोज लड़्डू खिलाती, और हर साल विसर्जन कर के नए गणपति घर लाती, बड़ा मजा आता!

लड़का और लड़की एक रेस्टोरेंट गए, वेटर: अम, आप कुछ लेंगी? लड़की: भैया एक सी वाली रोटी लाना। वेटर: या? लड़का: गांव से आयी है, पिज्जा वाली रोटी मांग रही है।

कहानी

बंदर और लकड़ी का खूंटा

एक बार शहर से थोड़ी दूर में एक मंदिर बनाया जा रहा था। उस मंदिर के निर्माण में लकड़ियों का इस्तेमाल किया जा रहा था। लकड़ियों के काम के लिए शहर से कुछ मजदूर आए हुए थे। एक दिन मजदूर लकड़ी चौर रहे थे। सारे मजदूर रोज दोपहर का खाना खाने के लिए शहर जाया करते थे। उस दौरान एक घंटे तक वहां कोई भी नहीं रहता था। एक दिन दोपहर के खाने का समय हुआ, तो सभी जाने लगे। एक मजदूर ने लकड़ी आधी ही चौर थी। इसलिए, वह बीच में लकड़ी का खूंटा फंसा देता है, ताकि दोबारा चौरने के लिए आरी फंसाने में आसानी हो। उनके जाने के कुछ समय बाद बंदरों का एक समूह वहां आया। उसमें एक शरारती बंदर था, जो वहां पड़ी चीजों को उल्टा-पुल्टा करने लगा। बंदरों के सरदार ने सभी को वहां रखी चीजों को छेड़ने से मना किया। कुछ समय बाद सारे बंदर पेड़ों की तरफ वापस जाने लगे, तो वह शरारती बंदर सबसे बचकर पीछे रह जाता है और शरारत करते-करते उसकी नजर उस अधचिरे लकड़ी पर पड़ती है, खूंटे को देखकर बंदर सोचने लगा कि उस लकड़ी को वहां पर यों लगाया है, उसे निकालने पर या होगा। फिर वह उस खूंटे को बाहर निकालने के लिए खींचने लगता है। बंदर के अधिक जोर लगाने पर वह खूंटा हिलने और खिसकने लगता है, जिसे देखकर बंदर खुश होता है और जोर लगाकर उस खूंटे को सरकाने लगता है। वह खूंटे को निकालने में इतना मगन हो जाता है कि उसे पता ही नहीं चलता कि कब उसकी पूंछ दोनों पाटों के बीच में आ गई। बंदर पूरी ताकत के साथ खूंटे को खींचकर बाहर निकाल देता है। खूंटा निकलते ही लकड़ी के दोनों भाग चिपक जाते हैं और उसकी पूंछ बीच में फंस जाती है। पूंछ के फंसने पर बंदर दर्द के मारे चिल्लाने लगता है और तभी मजदूर भी वहां पहुंच जाते हैं। उन्हें देखकर बंदर भागने के लिए जोर लगाता है, तो पूंछ टूट जाती है। वह चीखते हुए टूटी पूंछ लेकर भागता हुआ अपने झुंड के पास पहुंच जाता है। वहां पहुंचते ही सभी बंदर उसकी टूटी हुई पूंछ देखकर हंसने लगते हैं।

7 अंतर खोजें



जानिए कैसा रहेगा

यह सप्ताह

मेष 	आज व्यापार और नौकरी के क्षेत्र में आपको बहुत सफ लताएं मिल सकती है। रोजगार में आप लोगों को फायदा मिलेगा। पैसों से जुड़े मामले सुलझेंगे।	तुला 	आपके घर किसी मेहमान के आने की संभावना है। आपको कृत्रिमता और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। आपकी इनकम में बढ़ोती हो सकती है।
वृषभ 	आज का दिन आपको थोड़ा कमजोर रहने वाला है। पर मानसिक रूप से काफी परेशान रहेंगे और शारीरिक रूप से भी कुछ परेशानी आपको आज दि तें दे सकती है।	वृश्चिक 	खान-पान पर अगर आपने ध्यान नहीं दिया तो आप बीमार पड़ सकते हैं। घर में सुख सुविधाएं रहेंगी। माता-पिता का सहयोग मिलेगा और हर काम को मजबूती से निभाएंगे।
मिथुन 	आपका व्यवहार दूसरों का ध्यान अपनी तरफ खींचेगा। आज आप अपनी मधुर बातों की वजह से अपने काम निकलवाने में कामयाब होंगे।	धनु 	आज के दिन आपको आत्मविश्वास बढ़ेगा। जीवनसाथी के ननिहाल से कोई बड़ी खुशखबरी आ सकती है। आप सामने आई समस्याओं को हल आसानी से निकाल सकते हैं।
कर्क 	आज अपने दुश्मनों पर भारी रहेंगे। अपने मनमौजी बर्ताव पर काबू रखें। कोर्ट-कचहरी के फैसले आपके हित में आएंगे। आर्थिक स्थिति नाजुक हो ऐसी अनुभूति प्रतीत होगी।	मकर 	आज का दिन मकर राशि वालों के लिए फ लदायक रहने वाला है। उन्नति के योग बन रहे हैं। नये लोगों से मुलाकात होगी। आपके व्यवसाय में तथा आय में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।
सिंह 	आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहने वाला है। आप अपनी संतान के प्रति अधिक गंभीरता से विचार करेंगे उनकी पढ़ाई और स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हो सकते हैं।	कु 	आज का दिन काफी पैसा बरसाने वाला है। आज आपकी आमदनी में अचानक से बढ़ोतरी होगी जो बहुत खुशी देगी। बॉस की कृपा आपको प्राप्त होगी और आपको ओहदा बढ़ेगा।
कत्या 	आज आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। पूरी ऊर्जा के साथ आज जिस काम को करेंगे वो समय से पहले पूरे हो जाएगा। आज पैसे कमाने की नई योजना बनाएंगे।	मीन 	आज आपका वैवाहिक जीवन पहले की अपेक्षा काफी खुशनुमा रहेगा। वाहन की सावधानीपूर्वक चलाएं, वर ना हल्की-फुल्की चोट लग सकती है।

शिवालिका ओबेरॉय पर दिल हार बैठे अभिषेक

बॉ

लीवुड में शादियां इस सीजन में भी काफी धूम मचाने वाली हैं। जहां एक तरफ अथिया शेड्डी की शादी की तैयारियां चल रही हैं वहीं कियारा और सिद्धार्थ भी गुपचुप तरीके से शादी की तैयारी जोरो-शोरों से कर रहे हैं। इसी बीच दृश्यम 2 के डायरेक्टर अभिषेक पाठक ने भी अपनी जीवन संगिनी चुन ली है। दरअसल खुदा हाफिज की एंट्रेस शिवालिका ओबेरॉय पर अभिषेक अपना दिल हार बैठे हैं। अब जल्द ही दोनों की शादी भी होने वाली है। अभिषेक और शिवालिका दोनों काफी समय से एक दूसरे को डेट कर रहे थे। अभिषेक ने तुर्की में

शादी में होगा धमाल

अभिषेक और शिवालिका की शादी में सिर्फ फैमिली और कुछ लोज फ्रेंड्स ही शामिल होंगे। ये लोज सेरेमनी सिर्फ दो दिनों तक ही चलेगी। शादी में सिर्फ कुछ खास हस्तियां ही शामिल हो पाएंगी। फिलहाल शादी की तैयारियां काफी गुपचुप तरीके से जारी हैं।

करियर की नैया

अभिषेक पाठक ने 2022 में अजय देवगन स्टारर दृश्यम 2 को डायरेक्ट किया। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 240 करोड़ रुपए से भी ज्यादा की कमाई की थी। वहीं बात करें शिवालिका की तो उन्होंने अपना फिल्मी करियर ये साली आशिका से शुरू किया। इसके बाद खुदा हाफिज 2 और खुदा हाफिज में नजर आईं। खुदा हाफिज के सेट पर ही दोनों पहली बार मिले थे।

शिवालिका को शादी के लिए प्रपोज किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिषेक पाठक और शिवालिका ओबेरॉय अगले महीने यानी फरवरी में ही शादी करने वाले हैं। दोनों की शादी की कोई पु डेट सामने नहीं आई है।

बॉलीवुड

मसाला

अक्षय और इमरान ने रिवंचवाई ऐश्वर्या संग सेल्फी

इ

मरान हाशमी और अक्षय कुमार इन दिनों अपनी सेल्फी को लेकर काफी चर्चा में हैं। हाल ही में दोनों की

अपकमिंग फिल्म सेल्फी मोशन पोस्टर भी रिलीज हुआ था। अब दोनों स्टार्स एकसाथ काफी मस्ती करते हुए दिखाई दे रहे हैं। फिलहाल खबरों में छाने की वजह है उनकी लेटेस्ट सेल्फी।

सेल्फी लेना आज के जमाने का एक गजब ट्रेंड है। कोई भी सेलिब्रिटी दिखता है तो सबसे पहले सभी के मुंह से यही निकलता है कि कैमरा निकाल कर सेल्फी ले लेते हैं। ये तो आम इंसान की आदत है लेकिन यहां तो सेलिब्रिटीज एक-दूसरे को देख इतना एसाइटेड हो रहे हैं। इमरान हाशमी और अक्षय कुमार ने हाल ही में एक सेल्फी शेयर की है। सेल्फी के

बैकग्राउंड में ऐश्वर्या राय का कजरारे-कजरारे सॉन्ग का फोटो लगा हुआ है। दोनों स्टार्स ने इस फोटो को इंस्टा पर शेयर किया। अक्षय कुमार ने कैप्शन में लिखा जब मैंने और इमरान हाशमी ने काले नैना को अपने काले कपड़ों से मैच करने की कोशिश की। इमरान हाशमी ने ने भी कैप्शन में लिखा चलो उनके साथ नहीं तो उनके फोटो के साथ ही सेल्फी ले ली जाए। यों अक्षय कुमार। ऐसे में यूजर्स ने डर के मारे कह दिया कि कहीं अक्षय और इमरान की अपकमिंग फिल्म कजरारे का रीमेक तो नहीं आने वाला है।

इस खेत में जाकर सांस लेने के देने पड़ते हैं एक घंटे के ढाई हजार रुपये

दुनियाभर के बड़े शहरों की हवा तेजी से खराब हो रही है। ऐसे में लोगों को सांस लेने में दि त ही नहीं हो रही बल्कि लोगों को सांस संबंधी समस्याएं भी होने लगी है। ऐसे में कई बार लोग



शहर से दूर गांव में जाना पसंद करते हैं। जिससे वहां कुछ देर सुकून की सांस ले सकें। अगर आपको कोई कहे कि खुले में सांस लेने या किसी के खेत में जाकर सांस लेने के लिए आपको पैसा देना पड़ेगा तो शायद आपको इस बात का यकीन ही नहीं होगा। लेकिन थाईलैंड का एक किसान कुछ ऐसा ही कर रहा है। जो अपने खेतों में सांस लेने की ऐवज में हर घंटे के ढाई हजार रुपये (2500) रुपये चार्ज करता है। दरअसल, थाईलैंड के एक किसान ने अपने धान के खेत में एक घंटे तक खाने और सांस लेने का पैकेज शुरू किया है। जिसके लिए वह हर पर्यटक या वहां घूमने आने वाले से 2500 रुपये लेते हैं। बता दें कि थाईलैंड दुनिया के सबसे प्रदूषित देशों में से एक है। यहां ताजी हवा के लिए भी लोगों को मश त करनी पड़ती है। यही वजह है कि थाईलैंड के ह्यू कोन था गांव में रहने वाले एक किसान को प्रदूषण के बीच ताजी हवा की सांस मिली। 52 साल के किसान दूषित के पास हेलफायर पास क्षेत्र में जमीन है, जहां वह धान की खेती करते हैं। अब उन्होंने पहाड़ियों के बीच अपने धान के खेत में कैपिंग एरिया बना लिया है। उनका दावा है कि यह देश की सबसे ताजी हवा वाली जगह है। ऐसे में वह लोगों से एक घंटे के लिए इस कैप में रहने के लिए 1,000 रुपये यानी भारतीय मुद्रा में करीब 2500 रुपये वसूलते हैं। दूसित ने बताया कि प्रदूषण के कारण कई चीजें बर्बाद हो रही हैं। एशियन लाइफ समाज कल्याण विकास संगठन के सचिव दुसित का यह आइडिया काफी लोकप्रिय हो रहा है। वह अपने खेत में रहने वाले बच्चों और विकलांग लोगों से पैसा नहीं लेते। यदि आप यहां रहते हैं, तो आपको खाने और सांस लेने के लिए भुगतान करना पड़ेगा। हालांकि, उनके इस पैकेज में आपको दिन में तीन बार खाना भी मुत में मिलेगा। इतना ही नहीं, आसपास रहने वाले लोगों को यहां रहने के लिए एक और घंटे का भुगतान नहीं करना पड़ता है।

अजब-गजब

जिसने भी की यहां रात में जाने की गलती नहीं लौटा वापस

भारत का ऐसा स्थान जहां से दिखता है श्रीलंका

विविधताओं वाले हमारे देश में तमाम ऐसी जगहें मौजूद हैं जिनके बारे में हम बहुत कम जानते हैं। इन्हीं में से एक जगह है धनुषकोडी। ये जगह दक्षिण के भारत के राज्य तमिलनाडु के पूर्वी तट पर रामेश्वरम द्वीप के किनारे पर है। जिसे भारत का अंतिम छोर भी कहा जाता है। ये जगह बिल्कुल वीरान है। जहां से श्रीलंका दिखाई देता है। हालांकि ये जगह हमेशा से वीरान नहीं थी, एक समय में ये लोगों से आबाद थी। लेकिन अब ये जगह पूरी तरह से वीरान हो गई है।

बता दें कि धनुषकोडी भारत और श्रीलंका के बीच स्थित है। जो दोनों देशों के बीच एकमात्र ऐसी स्थलीय सीमा है जो पाक जलसंधि में बालू के टीले पर स्थित है जो केवल 50 गज की लंबाई में है। यही नहीं इसी के चलते इस जगह को विश्व के लघुतम स्थानों में से एक माना जाता है।

वैसे तो इस जगह पर दिन के समय भारी सां में लोग घूमने आते हैं, लेकिन रात होने से पहले ही यहां से लोगों को वापस कर दिया जाता है योंकि अंधेरा होने के बाद यहां घूमना मना है। लोग शाम होने से पहले ही यहां से रामेश्वरम लौट जाते हैं। बता दें कि धनुषकोडी से रामेश्वरम तक का रास्ता 15 कि लोमीटर लंबा है और यह भी सुनसान है। जहां किसी को भी डर लग सकता है। योंकि इस इलाके को



रहस्यमयी माना जाता है। कई लोग इस जगह को भूतहा भी मानते हैं।

बता दें कि साल 1964 में आए भयानक चक्र वात से पहले धनुषकोडी भारत का एक उभरता हुआ पर्यटन और तीर्थ स्थल था। तब यहां यानी धनुषकोटि में रेलवे स्टेशन, अस्पताल, चर्च, होटल और पोस्ट ऑफिस की कमी नहीं थी, 1964 में आए भयंकर चक्रवात में सबकुछ खत्म हो गया। कहते हैं कि तब 100 से अधिक यात्रियों वाली एक रेलगाड़ी समुद्र में डूब गई थी। उसके बाद से यह जगह बिल्कुल सुनसान हो गई।

ऐसा माना जाता है कि धनुषकोडी ही वो

जगह है, जहां से समुद्र के ऊपर रामसेतु का निर्माण शुरू किया गया था। कहते हैं कि इसी जगह पर भगवान राम ने हनुमान को एक पुल का निर्माण करने का आदेश दिया था, जिसपर से होकर वानर सेना लंका जा सके, जहां रावण को हराया गया था। इस जगह पर भगवान राम से जुड़े कई मंदिर आज भी मौजूद हैं। कहा जाता है कि रावण के भाई विभीषण के अनुरोध पर भगवान राम ने अपने धनुष के एक सिर से सेतु को तोड़ दिया था, इसीलिए इसका नाम धनुषकोटि पड़ गया। तमिल में कोटि का मतलब सिर होता है इसलिए इसे धनुषकोडी नाम दिया गया है।

लोक पहल, राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक, मुमुक्षु आश्रम, शाहजहाँपुर, प्रधान संपादक अरुण पाराशरी

लोक पहल हिन्दी साप्ताहिक स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. अवनीश कुमार मिश्रा द्वारा शाहजहाँपुर प्रिन्टर्स जज साहब वाली गली, तारीन बहादुरगंज जिला शाहजहाँपुर 242001 से मुद्रित व 160 रोशनगंज लक्ष्मी राईस मिल, शाहजहाँपुर 242001 उ0प्र से प्रकाशित। संपादक-सुयश सिन्हा मो. 9935740205 E-mail : lokpahalspn@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र शाहजहाँपुर होगा।

